हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 10 देहरादून, सोमवार, 26 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

"उत्तराखण्ड निवास" के निर्माण कार्यों को समय पर करें पूरा : मुख्य सचिव 3

ग्रोथ इंजन को दौड़ाने के लिए सरकार और उद्योग जगत के बीच समन्वय जरुरी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बी.एन.आई देहरादून द्वारा आयोजित बी.एन.आई दून E3 Expo में उद्यमियों का स्वागत करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में निवेश करने वाले उद्यमी उत्तराखंड के विकास के सारथी एवं प्रदेश की प्रगति के वाहक हैं। बीएनआई दून एक्सपो केवल उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह हमारे राज्य में पनप रही उद्यमशीलता की भावना और नवीन मानसिकता का प्रमाण है। उत्तराखंड राज्य में सभी प्रकार के व्यवसाई अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकते हैं, सार्थक संबंध बना सकते हैं और नए अवसर तलाश सकते हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश के ग्रोथ इंजन को दौड़ाने के लिए सरकार और उद्योग जगत के बीच एक उचित समन्वय बेहद आवश्यक है। हमारे एक-एक उद्यमी की उपलब्धि हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहे है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। नरेंद्र मोदी द्वारा नए भारत के निर्माण का संकल्प लिया गया है, जो अब पूरा होता दिखाई दे रहा है। आज पूरी दुनिया भारत को सक्षम, रचनाशील, बदलाव के लिए तैयार एक अभिनव आर्थिक इकोसिस्टम के रूप में देख रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड भी भारत की आर्थिक प्रगति में एक प्रमुख सहभागी बने और अग्रणी राज्यों में हमारा स्थान सुनिश्चित हो। इसके लिए सरकार कार्यरत है।

राज्य सरकार निरंतरता के साथ अभावों को अवसरों में बदलने का कार्य कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश को निवेश के लिए एक सर्वाधिक पसंदीदा गन्तव्य के रूप में विकसित करने के लिए भी प्रयासरत है। राज्य में निवेश के लिए बेहतर कानून व्यवस्था, स्वच्छ पर्यावरण, रेल, सड़क तथा वायु परिवहन की सुविधा, सस्ती एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा जल संसाधन उपलब्ध हैं।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण, फार्मा, आयुष और कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, आईटी, पर्यटन, ग्रीन एनर्जी तथा सेवा क्षेत्र में कार्य किया जा रहा हैं। हमारी उद्योग अनुकूल नीतियों का परिणाम स्वरूप आज देश की विख्यात कंपनियां प्रदेश की प्रगति में अपना योगदान दे रही है। राज्य सरकार की नीतियों में प्रमुख रूप से मेगा औद्योगिक और निवेश नीति, एम.एस.एम.ई. नीति, मैगा टैक्सटाईल पार्क पॉलिसी, स्टार्टअप नीति, पर्यटन नीति, आयुष नीति, सौर ऊर्जा नीति, अरोमा पार्क नीति, इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण नीति, एयरोस्पेस एवं डिफेंस पॉलिसी, सूचना प्रौद्योगिकी नीति और निर्यात नीति शामिल है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना भी अति महत्वपूर्ण है। इसी कड़ी में हमने ''एक जनपद-दो उत्पाद'' योजना को लागू किया जिसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करना, उन्हें आजीविका का प्रमुख साधन बनाना है। संकल्प से सिद्धि के इस सकारात्मक और पारदर्शी माहौल में, उत्तराखंड के प्रत्येक निवेशक के लिए अवसरों का विस्तार हो रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में मेयर सुनील उनियाल गामा, महानगर अध्यक्ष भाजपा सिद्धार्थ अग्रवाल, सुनील, राहुल, प्रकाश , रितु मौर्य, प्रगति एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

लो शपथ, नशामुक्त हो उत्तराखंड : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

26 जून , देहरादून. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व नशा निषेध दिवस पर जारी अपने संदेश में प्रदेशवासियों से उत्तराखण्ड को नशा मुक्त प्रदेश बनाने में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि नशा हमारे युवाओं का भविष्य बरबाद कर रहा है। समाज के साथ युवाओं के बेहतर भविष्य के लिये सभी को नशा मुक्ति की दिशा में पहल करनी होगी।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नशा मुक्त भारत के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु सभी प्रदेश वासियों से शपथ लेने की अपील भी की है।

यमुनोत्री हाईवे ओरछा बैंड के पास बड़े वाहनों के लिए बंद

उत्तरकाशी। जिले में गत दो दिन सें हो रही बारिश के चलते जगह-जगह हुए भूस्खलन से यातायात प्रभावित है। बारिश के चलते रविवार सुबह गंगोत्री हाईवे बंदरकोट के पास मलबा आने के कारण दो घंटे बाधित रहा। जबकि यमुनोत्री हाईवे पर ओरछा बैंड के पास सडक़ ध्वस्त होने के कारण देर रात से बड़े वाहनों की आवाजाही बंद है। इसके साथ ही जिले में गंगोत्री-नेलांग बोर्डर मार्ग सहित चार ग्रामीण मोटर मार्ग पर भी बंद हो गए हैं, जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो गया है। उत्तरकाशी जिले में शुक्रवार देर रात से बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश के चलते जहां नदी नाले उफान पर हैं। वहीं शनिवार देर रात को हुई भारी बारिश के कारण गंगोत्री हाईवे बंदरकोट में पास मलबा आने के कारण सुबह 7 से 9 बजे तक यातायात के लिए बाधित रहा। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी। जिसके बाद बीआरओ की टीम मौके पर पहुंची और दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 09 बजे तक मलबा साफ कर मार्ग को यातायात के लिए सुचारू किया। इसके साथ ही उत्तरकाशी -लम्बगांव मोटर मार्ग भी अलेथ बैंड के पास मलवा व पेड़ आने के कारण तीन घंटे तक बाधित रहा। इससे सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग गई और उत्तरकाशी से केदारनाथ धाम की ओर जाने वाले यात्रियों एवं स्थानीय लोगों को खासी दिक्कत उठानी पड़ी।

ऋषिकेश आने वाले सैलानियों के लिए खुशखबरी यहां रुद्राक्ष के जंगल में मिलेगा सुकून : पौड़ी डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 26 जून : ऋषिकेश में स्थित यमकेश्वर ब्लॉक के कोठार गांव में जल्द ही आपको रुद्राक्ष वन देखने को मिलेंगे। इस गांव में।रुद्राक्ष के वन की स्थापना की जा रही है। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती और पौड़ी डीएम आशीष चौहान ने यहां रुद्राक्ष के पौधे लगाकर इसका उद्घाटन किया।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने बताया कि नीलकंठ महादेव मंदिर के समीप कोठार गांव में रुद्राक्ष वन की स्थापना की जा रही है।इसके लिए यहां करीब एक हजार से अधिक रुद्राक्ष के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस गांव को एक सुंदर और प्रकृति के समृद्ध मॉडल गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पर्यटन भी बढ़ेगा। यह आस्था, आध्यात्मिकता, साधना के साथ ही जीविका के लिए भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांवड यात्रा में आने वाले श्रद्धालु यहां पर बैठकर प्रकृति का आनंद ले सकेंगे और भगवान शिव के थोड़ा और करीब जा पाएंगे। कुछ वर्षों बाद इन पौधों से रुद्राक्ष भी प्राप्त हो सकेंगे जिससे ग्रामीणों के लिए आजीविका का मार्ग खुलेगा और स्वरोजगार की राह भी उनके लिए खुल जाएगी।

गर्मियों में हाथ और पैर में बार-बार आ रहा है पसीना, तो ये टिप्स आएंगी आपके काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जून : गर्मियों के मौसम में हाथ-पैर में पसीना आना सामान्य है। हालांकि, कुछ लोगों को कम पसीना आता है, तो कुछ को बहुत ज्यादा, जिससे असुविधा हो सकती है। अगर आपको भी अधिक पसीना आने की समस्या है, तो हम आपके लिए कुछ उपाय लेकर आए हैं, जिसकी मदद से गर्मियों में पसीने के चिप-चिपेपन से राहत पा सकते हैं। आइये जानते हैं गर्मी के महीनों के दौरान ड्राई और आरामदायक रहने के लिए कुछ आसान हैक्स।

पसीने से तर हाथों और पैरों से राहत पाने के लिए हाइजीनिक रहना बेहद जरूरी है। पसीने और बदबू को बढ़ाने वाले बैक्टीरिया को कम करने के लिए नियमित रूप से अपने हाथों और पैरों को साबुन से धोएं। हाथ और पैर को धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह से सुखाना न भूलें। साफ और सूखा रखने से नमी को रोकने में मदद मिलती है। एंटीपर्सपिरेंट्स अंडरआर्म्स तक ही सीमित नहीं हैं। ये हाथों और पैरों में भी पसीने को कम करने में मददगार हो सकते हैं। कोशिश करें कि ऐसे एंटीपर्सपिरेंट को चुनें, जो खासतौर से शरीर के इन हिस्सों के लिए डिजाइन किए गए हों। एंटीपर्सपिरेंट्स पसीने की नलिकाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का काम करते हैं, जिससे पसीने की मात्रा कम हो जाती है।

पसीने से तर पैरों से राहत पाने के लिए सही जूते को चुनना बेहद जरूरी है। इसके लिए चमड़े या कैनवास जैसी सांस लेने योग्य जूतों का चयन करें, जिससे उनमें हवा का सर्कुलेशन हो सके और पैरों में नमी को रोकने में मदद मिले।

सिंथेटिक मैटेरियल से बने जूतों को पहनने से बचें, जो गर्मी और नमी को लॉक कर सकते हैं। इसके अलावा, नमी सोखने वाले मोजे पहनें, जो स्किन से पसीना सोख सकें। वहीं दिन में कई बार मोज़े बदलने से भी पैरों को सूखा रखने में मदद मिल सकती है। हर बार पसीने का कारण केवल गर्मी ही नहीं होती। कई बार स्ट्रेस लेवल के कारण भी अत्यधिक पसीना आ सकता है, इसलिए हाथों और पैरों में पसीने को मैनेज करने के लिए स्ट्रेस मैनेज करना बेहद जरूरी है। तनाव के स्तर को कम करने के लिए गहरी सांस लें, ध्यान और योग जैसी तकनीकों से इससे राहत पाया जा सकता है। नियमित व्यायाम पसीने के उत्पादन को नियंत्रित करने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकता है।

एक्सपर्ट ने बताया 21 दिन तक इस तरह पी लीजिए पानी, इन चीज़ो से मिलेगी राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जून : हमारे शरीर के लिए कितना जरूरी है, ये तो हम सभी जानते हैं इसलिए जब भी हमें पानी पीने की सलाह दी जाती है हम पानी पर ऐसे टूट पड़ते हैं और इतना पानी पीते हैं कि ये हमारी किडनी को इफेक्ट करने लगता है या फिर पानी इतना कम पीते हैं कि शरीर डिहाइड्रेट होने लगती है. तो क्या कभी आपने सोचा है कि पानी पीने का सही तरीका, सही समय और सही पैटर्न क्या होता है? अगर नहीं, तो हम आपको बताते हैं कि 21 दिनों तक अगर आप इस तरीके से पानी पिएंगे तो आपके शरीर से जुड़ी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी. तो चलिए जानते हैं एक्सपर्ट का बताया हुआ और आजमाया हुआ पानी पीने का तरीका जो आपको कई तरह की बीमारियों से दूर रखेगा.

कभी भी एक झटके में पानी ना पिएं. अगर आप अपने शरीर में पानी का इंटक एकदम से बड़ा लेंगे और 2 की जगह 5-7 लीटर पानी पीने लगेंगे, तो आपकी किडनी पर ज्यादा लोड पड़ने लगेगा और किडनी डैमेज भी हो सकती है. Experts के अनुसार, पुरुषों को एक दिन में तीन से चार लीटर पानी और महिलाओं को दो से तीन लीटर पानी पीने की जरूरत होती है. अगर आप इंटेंस वर्कआउट करते हैं तो आप आधा लीटर पानी इसमें और बढ़ा सकते हैं.

जब लोगों को प्यास लगती है, तो वो गिलास में या बोतल से सीधे उठाकर एकदम से सारा पानी पी जाते हैं, जिसमें अमूमन 4 से 5 सेकंड लगते हैं. लेकिन कभी भी आपको ऐसा नहीं करना चाहिए, आपको हमेशा 2-3 मिनट तक सिप-सिप करके पानी पीना चाहिए और इसे 2 से 5 सेकंड तक मुंह के अंदर घूमना चाहिए, इससे मुंह का सलाइवा पानी के साथ पेट में जाता है और बॉडी आसानी से पानी को डाइजेस्ट कर लेती है.जी हां पानी पीने के लिए हमें समय का ध्यान रखना बहुत ज्यादा जरूरी होता है. अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि खाना खाने के 1 घंटे पहले और 1 घंटे बाद तक पानी नहीं पीना चाहिए, लेकिन ऐसा क्यों? दरअसल, खाना खाने से पहले ही हमारे पेट में जठराग्नि शुरू हो जाती है, जो पाचन रस बनाती है और अगर हम खाना खाने से पहले या बाद में पानी पी लेते हैं तो यह अग्नि शांत हो जाती है और पाचन रस पतला हो जाता है, जिससे खाना सही तरीके से पचता नहीं है और खाना हमारे पेट में पड़ा पड़ा सड़ने लगता है, जिससे गैस, अपच, ब्लोटिंग और पेट संबंधी समस्या होने लगती है.गर्मी में आप लोग ठंडा पानी पीते होंगे या सर्दियों में गर्म पानी, लेकिन बहुत ज्यादा गर्म और ठंडा पानी दोनों हमारी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक होता है. ऐसे में डॉक्टरों का मानना है कि आप गर्मियों में मटके का पानी और सर्दियों में हल्का गुनगुना पानी पी सकते हैं.खड़े होकर पानी पीने से कई सारे हेल्थ इश्यू हो सकते हैं, जिसमें इनडाइजेशन सबसे घातक है क्योंकि जब आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो पानी हमारे फूड कनाल से होते हुए लोअर स्टमक तक पहुंच जाता है, जिससे खाना सही तरीके से पच नहीं पाता है. इतना ही नहीं खड़े होकर पानी पीने से हमारे शरीर का फ्यूड लेवल भी बढ़ जाता है और इससे शरीर का ऑक्सीजन लेवल भी डिस्टर्ब होता है और लंग्स और हार्ट फंक्शन पर भी इफेक्ट पड़ता है.

नैनीताल में पर्यटकों से भिड़े नाव वाले लड़ाई का मैदान बनी नैनी झील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 26 जून : सरोवर नगरी नैनीताल उत्तराखंड के प्रमुख टूरिस्ट स्टेशन में से एक है। हर साल लाखों पर्यटक यहां आते हैं, लेकिन बीते दिनों यहां से एक मामला सामने आया, जिसने पर्यटकों को बुरी तरह डरा दिया है। यहां नौका चालकों ने यूपी के पर्यटकों संग मारपीट की।

नैनी झील के वो किनारे जो पर्यटकों से गुलजार रहा करते थे, वो किनारे \ लड़ाई का मैदान बन गए। नौका चालकों ने पर्यटकों संग खूब मारपीट की।घटना मल्लीताल क्षेत्र की है। यूपी के बिजनौर निवासी एक व्यक्ति परिजनों संग नैनीताल घूमने आए थे। इस दौरान वो नौकायन करने चले गए। पर्यटक का कहना है कि जब एक नाव आगे निकल गई तो उन्होंने नाव चालक से दूसरी नाव के साथ-साथ चलने को कहा। इतनी सी बात पर नाव चालक भड़क गया और उनके साथ बदसलूकी करने लगा। इतना ही नहीं नाव चालक ने उन्हें और बच्चों को डुबोने की धमकी भी दी। बाद में वो किनारे पर पहुंचे तो वहां दूसरे बोट चालकों ने भी उनके और अन्य परिजनों संग मारपीट की। सूचना पर पुलिस पर्यटक को थाने ले गई। बाद में मारपीट करने वाले नाव चालकों की तलाश की गई, लेकिन वो पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो चुके थे। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

चारधाम यात्रियों के पंजीकरण का आंकडा 48 लाख से ऊपर पहुंचा : सतपाल महाराज

चारधाम यात्रा रूट पर जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की बुकिंग 20 करोड़ के पार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जून , चारधाम यात्रा के दौरान आस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को स्वर्ण मण्डित करने के विषय में अफवा फैलाने का मामला हो, मंदिर के गर्भगृह में महिला द्वारा स्वयंभू शिवलिंग पर नोट बरसाने का कृत्य हो या फिर खच्चरों के साथ मानवीय व्यवहार के तहत खच्चर को सिगरेट पिलाने का जघन्य मामला हो, दोषी पाये जाने पर सभी कोदण्डित किया जायेगा।

प्रदेश के पर्यटन धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि चारधाम यात्रा के दौरान आस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को स्वर्ण मण्डित करने के विषय में अफवा फैलाने का मामला हो, मंदिर के गर्भगृह में महिला द्वारा स्वयंभू शिवलिंग पर नोट बरसाने का कृत्य हो या फिर खच्चरों के साथ मानवीय व्यवहार के तहत खच्चर को सिगरेट पिलाने का जघन्य मामला हो, दोषी पाये जाने पर सभी को दण्डित किया जायेगा। श्री महाराज की ओर से उनके मीडिया सलाहकार निशीथ सकलानी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग चारधाम यात्रा को लेकर अनावश्यक अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं साथ विपक्ष भी उन अफवाहों को हवा देने का काम कर रहा है। महाराज ने कहा कि इस समय चारधाम यात्रा निर्बाध गति से चल रही है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु तीर्थ स्थलों के दर्शनों को उत्तराखंड आ रहे हैं, ऐसे में अनावश्यक मामलों को तूल देकर जो भी यात्रा को बाधित करने का प्रयास करेगा उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उन्होने उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालु से भी अनुरोध किया है कि वह श्रद्धा भाव से यात्रा नियमों का पालन करते हुए सहयोग करें। पर्यटन मंत्री महाराज ने केदारनाथ रूट पर स्थित विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को हेली सेवा के दौरान उसके शोर-शराबे से पढाई में हो रही परेशानी को देखते हुए सभी स्कूल भवनों को साउंडप्रूफ करने के जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं।

पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्पष्ट है कि चारधाम यात्रा इस बार पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर देगी। उन्होने कहा कि 18 फरवरी 2023 से प्रारम्भ हुये चारधाम एवं हेमकुण्ड यात्रियों के पंजीकरण के तहत अभी तक 48,79,698 (अड़तालीस लाख उनासी हजार छह सौ अट्ठानवे) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। विभिन्न धामों में यात्रियों के पंजीकरण की यदि हम बात करें तो अभी तक केदारनाथ हेतु 1589893 (पंद्रह लाख नवासी हजार आठ सौ तिरानवे), बद्रीनाथ हेतु 1470290 (चौदह लाख सत्तर हजार दो सौ नब्बे), गंगोत्री हेतु 858275 (आठ लाख अट्ठावन हजार दो सौ पिचहत्तर), यमुनोत्री हेतु 793246 (सात लाख तिरानवे हजार दो सौ छियालीस) एवं हेमकुण्ड हेतु 167994 (एक लाख नवासी हजार नौ सौ चौरानवे) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। जबकि कपाट खुलने से लेकर अभी तक चारधाम में 3094819 (तीस लाख चौरानवे हजार आठ सौ उन्नीस) यात्री दर्शनों का लाभ उठा चुके हैं। महाराज ने बताया कि 16 फरवरी 2023 से शुरू हुई जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की बुकिंग के तहत अभी तक कुल 200839674.00 (बीस करोड़ आठ लाख उनतालीस हजार छह सौ चौहत्तर) रुपये से अधिक की बुकिंग भी की जा चुकी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह आंकड़ा आगे और बढेगा।

"उत्तराखण्ड निवास" के निर्माण कार्यों को समय पर करें पूरा : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 26 जून , मुख्य सचिव डॉ.एस.एस. संधु ने नई दिल्ली स्थित निर्माणाधीन "उत्तराखण्ड निवास" के चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने "उत्तराखण्ड निवास" निर्माण कार्यों को लेकर कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निरीक्षण उपरांत दिशा-निर्देशित करते हुये कहा कि निर्माण कार्य में हो रहे विलंब पर बिंदुवार आख्या प्रेषित की जाये। साथ ही गुणवत्ता बनाए रखते हुए कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि निर्माणाधीन भवन "उत्तराखण्ड निवास" में भूतल को सम्मिलित करते हुए कुल सात तल बनाए जाएंगे। भवन उत्तराखण्ड वास्तुकला शैली में बनाया जा रहा है। यह पांच सितारा ग्रीन भवन है और इसका अपना सीवेज सोधन संयत्र होगा। भवन में 50 किलो वाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट भी है। इस अवसर पर स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम के अधिशासी अभियन्ता राकेश चंद तिवारी, परियोजना प्रबंधक योगेश कुमार, सहायक अभियंता हरीश चंद जोशी व आर्किटेक्ट सचिन अग्रवाल उपस्थित थे।

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी की शानदार पहल
स्कूलों में बनेंगे साउंड प्रूफ क्लास रूम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

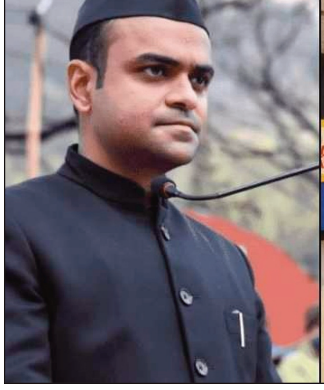

रुद्रप्रयाग 26 जून : तो कुछ ही वक्त में अगर सब कुछ ठीक रहा, तो रुद्रप्रयाग जिले में आपको अनोखा प्रयोग देखने को मिलेगा। यहाँ आप स्कूलों में साउंड प्रूफ क्लास रूम देख सकेंगे। क्यों और किसलिए..चलिए ये भी आपको बता देते हैं। केदारनाथ यात्रा के दौरान केदारघाटी में हेलीकॉप्टर उड़ान भरते हैं और उनका शोर बच्चों की पढ़ाई को बाधित कर देता है। ऐसे में जो छात्र बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है, उनके लिए बड़ी समस्या सामने आ रही है। पढ़ाई पर असर पढ़ सकती है। ऐसे में अब छात्र-छात्राएं अपने स्कूलों में शांतिपूर्वक पढ़ाई कर सकेंगे। इसकी पहल की है रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने उन्होंने सभी हेली कंपनियों को अपने-अपने हेलीपैड के पास के स्कूलों में साउंड प्रूफ क्लास रूम तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

अब केदारनाथ हेली सेवा में लगी हुई हर कंपनी को अपने पास के सभी स्कूलों में साउंड प्रूफ क्लास रूम तैयार करने होंगे। अगर कंपनियां ये निर्देश नहीं मानेंगे तो उन्हें तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। सबसे ज्यादा दिक्कत हेलीपैड के नजदीक स्कूलों के बच्चों को होती है। हेलि-कॉप्टर के शोर से अप्रैल, मई माह में और जुलाई से नवंबर तक स्कूलों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। ये मही नहीं, हेलीकॉप्टर की तेज ध्वनि से छात्रों को कई परेशानियों से भी जूझना पड़ता है। मगर अब इस समस्या से जल्द निजात मिल जाएगी।

डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि हेलिकॉप्टर सेवा का संचालन कर रही सभी हेली कंपनियों को पत्र लिखा गया है। उनसे हेलीपैड के निकट के स्कूलों में साउंड प्रूफ क्लास रूम तैयार करने के निर्देश दिए हैं। 15 दिन में सभी से जवाब मांगा गया है। राजकीय प्राथमिक एवं जूनियर हाईस्कूल देवर, प्राथमिक विद्यालय समस्त, प्राथमिक विद्यालय नारायण कोटी, जीआईसी नारायण कोटी, जूनियर हाईस्कूल मैखंडा, प्राथमिक विद्यालय खाट और खड़िया, जीआईसी फाटा और प्राथमिक विद्यालय शेरसी के छात्रों को जल्द ही साउंड प्रूफ क्लास रूम मिलेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पुरोला में आकाशीय बिजली से एक मौत, तीन घायल

उत्तरकाशी। पुरोला के कंडियाल गांव में खेत में धान की रोपाई कार्य में लगे चार व्यक्ति आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए, जिसमें एक की अस्पताल लाते वक्त मौत हो गई। जबकि तीन अन्य व्यक्ति घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में गमगीन माहौल है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे विधायक दुर्गेश्वर लाल ने परिजनों को सांत्वना दी और सरकार से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। रविवार को पुरोला के कंडियाल गांव निवासी निखिल पुत्र खुशपाल सिंह 17 वर्ष, अशोक पुत्र खुशपाल उम्र 14 वर्ष, पूर्व सैनिक चंद्र सिंह ज्याड़ा पुत्र जयपाल सिंह 58 वर्ष और अभिषेक पुत्र धीरपाल सिंह उम्र 20 वर्ष गांव के निकट मदनी नामे तोक में अपने खेतों में धान रोपाई का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली कडक्की और कहर बनकर इनको अपनी चपेट में ले लिया। चारों लोग बुरी तरह घायल हो गए। आसपास मौजूद सभी ग्रामीणों ने घायलों को अपने वाहनों से सीएचसी पुरोला अस्पताल पहुंचा। अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही अभिषेक पुत्र धीरपाल सिंह ने दम तोड़ दिया। अन्य घायल तीन लोगों में दो की हालात गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर कर दिया है। एक सामान्य घायल हुए युवक को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। अपर चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरसी आर्य ने बताया कि चारों घायलों को ग्रामीणों ने अस्पताल पंहुचाया, जिसमें परीक्षण उपरांत एक 20 वर्षीय युवक अभिषेक मृत पाया गया। जबकि दो गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद देहरादून हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अशोक पुत्र खुशपाल सिंह को प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया है।

शास्त्रीय गायन और नृत्य की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

देहरादून। अंनत गोपाल संगीत मंच समिति पटेलनगर और गुरुकुल डीएल रोड की ओर से तरंग-2023 कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत और नृत्य की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। एक के बाद एक सुंदर प्रस्तुतियों ने खूब तालियां बटोरी। एजीआरआर ऑडिटोरियम पटेलनगर में कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, राजपुर रोड विधायक विधायक खजान दास, कैंट विधायक सविता कपूर और संस्था की अध्यक्ष प्रतिभा श्रीवास्तव संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस दौरान भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य के बहुमुखी रंगों को विभिन्न आयु वर्ग के छात्रों की ओर से प्रस्तुत किया गया। गणपति वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उत्तराखंड को समर्पित संगीतमय प्रस्तुति 'मेरो पहाड़, कथक और गायन की प्रस्तुति दी गई।

उत्तराखंड में एक तरफ मानसून तो दूसरी तरफ जोशीमठ, बिगड़ सकते हैं हालात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 26 जून : उत्तराखंड में मानसून ने दस्तक दे दी है , ऐसे में जोशीमठ को लेकर सरकार की चिंता बढ़ गई है। फिलहाल जोशीमठ में भू-धंसाव की स्थिति स्थिर है। लेकिन आने वाले दिनों में हालात क्या होंगे, इसे लेकर अभी कई तरह की आशंकाएं हैं। डर यही है कि मानसून में कहीं भू-धसाव के बाद बनी दरारें और गहरा तो नहीं जाएंगी। शासन प्रशासन भी चिंता की स्थिति में है। पांच दिन बाद उत्तराखंड में प्रवेश करने वाले मानसून को लेकर जोशीमठ के स्थानीय लोगों के साथ ही शासन-प्रशासन के लोग भी चिंतित हैं। वहीं विशेषज्ञों ने जोशीमठ में और भूगर्भीय अस्थिरता की आशंका व्यक्त की है। जोशीमठ में अब तक 868 भवनों में दरारें आ गई है और 181 को असुरक्षित घोषित किया गया है। 502 प्रभावित परिवारों में करीब 437

को मुआवजा बांटा जा चुका है। 65 परिवार ऐसे हैं जो प्रशासन की ओर से विभिन्न होटलों और धर्मशालाओं में ठहराए गए हैं। लेकिन आने वाले दिनों में हालात क्या होंगे, इसे लेकर अभी कई तरह की आशंकाएं हैं। डर यही है कि मानसून में कहीं भू-धसाव के बाद बनी दरारें और गहरा तो नहीं जाएंगी। शासन प्रशासन भी चिंता की स्थिति में है।

देहरादून : एसएलआर के बाद अब पिस्टल चलाना सीखेंगे होमगार्ड के जवान, जुलाई में शुरू होगा प्रशिक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जून : एसएलआर के बाद अब होमगार्ड पिस्टल चलाना भी सीखेंगे। केंद्रीय संस्थान थानो, देहरादून में प्रशिक्षण एवं फायरिंग अभ्यास होगा। जुलाई के पहले हफ्ते से 21 दिनों का प्रशिक्षण शुरू होगा। होमगार्ड के हर जवान को नौ एमएम पिस्टल के रखरखाव, शास्त्र से संबंधित सावधानियों की जानकारी दी जाएगी।

अभ्यास के दौरान हर जवान से 25 राउंड फायरिंग कराई जाएगी। होमगार्ड के कमांडेंट जनरल केवल खुराना ने बताया, शासन की अनुमति के बाद विभाग में सौ 9 एमएम पिस्टल और दस हजार राउंड गोलियां खरीदी गई हैं। जवानों को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है।वर्ष 2022 में होमगार्ड के जवानों को 7.62 एमएम एसएलआर चलाने का प्रशिक्षण दिया गया था। उन्हीं प्रशिक्षित जवानों में से 50 को पिस्टल चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले चरण में देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधम सिंह

नगर के 45 वर्ष की आयु से कम उम्र वाले जवान प्रशिक्षण में शामिल होंगे। कहा, रोजाना तड़के चार बजे से रात दस बजे तक प्रशिक्षण चलेगा।

इस दौरान परेड से लेकर आंतरिक और वाह्य कक्षाएं, विश्राम और मनोरंजन की व्यवस्था भी होगी। इस दौरान कोई भी जवान संस्थान नहीं छोड़ सकेगा। इस अवधि में ड्यूटी भत्ते के समान धनराशि प्रदान की जाएगी। कमांडेंट जनरल केवल खुराना ने बताया, होमगार्ड के जवानों को अब तक थाना-चौकियों के साथ सरकारी दफ्तरों में सामान्य सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाती है। लेकिन, एसएलआर और 9 एमएम पिस्टल चलाने के प्रशिक्षण के बाद उन्हें संत्री व एस्कॉर्ट ड्यूटी जैसी अहम जिम्मेदारियां भी दी जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

केंचुए की तरह सरकता रहा ऋषिकेश-हरिद्वार हाईवे पर ट्रैफिक

ऋषिकेश। वीकेंड पर रविवार को ऋषिकेश-हरिद्वार हाईवे पर ट्रैफिक दिनभर रेंगकर चला। ऋषिकेश से हरिद्वार पहुंचने में चार घंटे से अधिक समय लगा। हरिद्वार में मोतीचूर के पास फ्लाईओवर निर्माण एवं संपर्क मार्ग पर जलभराव होने से दिक्कत आई। जबकि ऋषिकेश के श्यामपुर में रेलवे फाटक फिर वाहनों के लिये मुसीबत बना। रविवार को सुबह नौ बजे ही हरिद्वार जाने के लिए वाहनों की तीन-तीन कतारें लग गईं। दिन में तो जाम सत्यनारायण मंदिर तक पहुंच गया। एम्बुलेंस से लेकर आवश्यक सेवाओं वाले वाहन भी जाम में घंटों खड़े रहे। जाम की यह स्थिति रायवाला से हरिद्वार जाने के लिए थी। हरिद्वार से रायवाला की ओर वाहन रेंग-रेंगकर चलते रहे। अत्याधिक वाहनों की आवाजाही से हाईवे पर तीन-तीन कतारें लग गई, जबकि मोतीचूर कॉरिडोर समाप्त होते ही सिंगल लाइन शुरू हो जाती है। देर शाम तक रायवाला बाजार तक हाईवे पूरी तरह जाम रहा। उधर, ऋषिकेश में श्यामपुर रेलवे फाटक फिर मुसीबत बना। यहां रेलवे फाटक बंद होते ही वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं। पुलिस ने नेपाली फार्म से भानियावाला के लिये वाहनों का रूट डायवर्ट किया। लेकिन विभिन्न संपर्क मार्गों से वाहन चालक नजर बचाकर फिर हाईवे पर आ धमके। इससे स्थिति बिगड़ी। डीआईजी दलीप सिंह कुंवर का कहना है कि वीकेंड पर वाहनों का दबाव बढने से दिक्कत आ रही है। मोतीचूर में फ्लाई ओवर निर्माण एवं बारिश के चलते भी आवाजाही प्रभावित हुई। जाम से निपटने को अतिरिक्त फोर्स भी तैनात की गई है।

गंगा में आज बंद रहेगी राफ्टिंग

ऋषिकेश। गंगा की लहरों पर रोमांच का लुत्फ उठाने वाले पर्यटक सोमवार को राफ्टिंग नहीं कर पाएंगे। भारी बारिश के अलर्ट के चलते प्रशासन ने राफ्टिंग पर रोक लगा दी है। प्रशासन ने यह कदम पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर उठाया है। रविवार सुबह मूसलाधार बारिश में गंगा का जलस्तर बढ़ते ही नरेंद्रनगर प्रशासन ने कौडियाला-मुनिकीरेती जोन पर रिवर राफ्टिंग पर रोक लगा दी। इस बीच राफ्टिंग के लिए पहुंचे पर्यटकों को मायूसी हाथ लगी। एसडीएम देवेंद्र नेगी ने बताया कि यह पाबंदी सोमवार तक के लिए लगाई गई है। मौसम में सुधार होता है, तो राफ्टिंग पर लगे प्रतिबंध को हटाया जाएगा, लेकिन बारिश का सिलसिला ऐसा ही दिखा, तो रोक को आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त , सडक़ें बनी तालाब

ऋषिकेश। शहर में मूसलाधार बारिश के कारण रविवार को सुबह से लेकर दोपहर तक जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। बारिश से मुख्य मार्गों से लेकर आंतरिक मार्गों तक जलभराव हो गया। इससे वाहन सवार और पैदल लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतें आईं। ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने से सरस्वती नाले में उफान से त्रिवेणी घाट जलमग्न हो गया। खारास्रोत नदी में बरसाती पानी आने से एक वाहन फंस गया। गंगा का जलस्तर बढने से तटों पर बसे लोग भी सहमे नजर आए। रविवार तडक़े शुरू हुई बारिश दोपहर तक लगातार जारी रही। झमाझम बारिश से शहर के मुख्य मार्ग बदरीनाथ नेशनल हाईवे, तिलक रोड, रेलवे रोड, देहरादून रोड और मायाकुंड तथा सर्वहारानगर क्षेत्र में जलभराव से लोगों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ीं। खासकर सरस्वती नाले में अत्याधिक पानी आने से त्रिवेण घाट में पानी भर गया। नदी के जरिए शहर की गंदगी भी घाट तक पहुंची, इससे गंगा दर्शन-पूजन और आचमन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कतें हुईं। बारिश में गंगा का जलस्तर बढने से तटीय इलाके चंद्रभागा और चंद्रेश्वरनगर के लोग खौफ में दिखे। चंद्रभागा नदी के किनारों पर बसे लोग सहमे नजर आए। वहीं, खारास्रोत नदी में एकाएक बरसाती पानी आने एक स्थानीय युवक का वाहन फंस गया, इसे स्थानीय लोगों ने बामुश्किल बाहर निकाला। एसडीएम सौरभ असवाल ने बताया कि बारिश में अभी तक कहीं भी कोई जान माल की हानि की सूचना नहीं है। त्रिवेणी घाट पर फैली गंदगी को हटवाया गया है। इस बारे में नगर निगम के अधिकारियों को नालों की साफ-सफाई को लेकर भी सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

पुरुष में पीएफसी और महिला वर्ग में एमओपी चैम्पियन

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में आयोजित कैरम प्रतियोगिता के पुरूष वर्ग में पीएफसी और महिला वर्ग में एमओपी ने चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। जबकि सीईए और एसजेवीएनएल तीसरे स्थान पर रहीं। पावर स्पोट्र्स कंट्रोल बोर्ड, पीएससीबी (एमओपी) के बैनर तले, ऋषिकेश में आयोजित पांच दिवसीय कैरम टूर्नामेंट में पुरुषों की 11 और महिलाओं की आठ टीमें भाग ले रही हैं।

चमोली : बलात्कार मामले में 02 आरोपियों को चमोली पुलिस ने किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 26 जून : दिनांक 20/06/2023 को थाना थराली में वादी द्वारा तहरीर दी गयी कि उनकी नाबालिग पुत्री दिनांक 11/06/2023 को बिना बताए घर से लापता हो गयी तथा जिसको दीपक राम पुत्र रंजीत राम निवासी हरीनगर लेटाल थराली जनपद चमोली द्वारा ऋषिकेश ले जाकर वादी की नाबालिग पुत्री के साथ बलात्कार किया गया । वादी की तहरीर के आधार पर थाना थराली पर मुकदमा अपराध संख्या 16/2023 धारा 342/363/366A/376 भादवि तथा पोक्सो एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया जिसकी विवेचना म0उ0नि0 शिखा अग्रवाल के सुपुर्द की गयी।

दिनांक 23/06/2023 को चौकी नारा-यणबगड़ में राजकीय चिकित्सालय नाराय-णबगड़ से प्राप्त सूचना मैमो जिसमें चिकित्सालय में एक अविवाहित महिला द्वारा एक शिशु को जन्म दिया है, की सूचना पर उ0नि0 अनिल बिंजोला द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए जांच की गई तो उक्त घटना में लड़की का नाबालिक होना पायी गयी । जांच के दौरान लड़की के पिता द्वारा जांच अधिकारी को एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया कि 09 माह पूर्व सचिन रावत पुत्र बलवंत रावत निवासी सिलोड़ी थाना थराली वादी की लड़की को अपने गांव ले गया और उसके साथ बलात्कार किया तथा किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी गयी । फलस्वरुप वादी की लड़की द्वारा एक नवजात शिशु को जन्म दिया गया। तहरीर के आधार पर थाना थराली पर मु0अ0सं0 17/2023 धारा 376/506 भादवि व पोक्सो एक्ट में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना म0उ0नि0 शिखा अग्रवाल के सुपुर्द की गयी। नवजात शिशु एवं पीड़िता को चिकित्सा पर्यवेक्षण में सुरक्षा के साथ CWC की सहायता से उपचार हेतु जिला चिकित्सालय भेजा गया। पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा महिला संबंधी अपराध पर त्वरित कार्यवाही कर अभियोग के सफल निस्तारण करने व अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया जिसके अनुपालन में पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित कुमार सैनी के कुशल पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक थराली देवेन्द्र रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गयी। व0उ0नि0 अजीत कुमार ,हे0कां0 अरविन्द कुमार व हे0कां0 अंकित पोखरियाल(एसओजी) द्वारा सुरागरसी पतारसी कर अथक परिश्रम के उपरांत मुखबिर की सूचना पर दिनांक 23/06/2023 को मु0अ0सं0 16/23 से सम्बन्धित अभियुक्त दीपक पुत्र रंजीत राम निवासी हरीनगर लेटाल थाना थराली जनपद चमोली को कर्णप्रयाग से गिरफ्तार किया गया। उ0नि0 अनिल बिंजोला,म0उ0नि0 शिखा तेग्रवाल व कांस्टेबल दीपक द्वारा दिनांक 23/6/23 को मु0अ0सं0 17/23 से सम्बन्धित अभियुक्त सचिन पुत्र बलवंत निवासी सिलोडी थाना थराली जनपद चमोली को परखाल तिराहे नारायणबगड़ से गिरफ्तार किया गया है। दोनो अभियुक्तों को मेडिकल प्रक्रिया के बाद आज माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।

ये उत्तराखंड है हुज़ूर, एक बार घूमियेगा ज़रूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जून , उत्तराखंड एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक महत्व वाला राज्य है। राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, साहसिक खेलों और तीर्थ स्थलों के लिए जाना जाता है। उत्तराखंड एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है, जो दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। राज्य की सरल जीवन शैली, गर्मजोशी से भरा आतिथ्य, और समुदाय की मजबूत भावना इसे यात्रा करने के लिए एक अद्वितीय और विशेष स्थान बनाती है। चाहे आप रोमांच, आध्यात्मिकता की तलाश में हों, या शहर के जीवन की हलचल से बस एक ब्रेक चाहते हों, बुरांश और काफल के इस दिव्य भूमि में सभी के लिए कुछ न कुछ अद्भुत और रोमांचक ज़रूर है।

उत्तराखंड, जिसे ₹देवताओं की भूमि₹ के रूप में भी जाना जाता है, भारत के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है। राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य अपने ऊंचे पहाड़ों, घाटियों, नदियों और ग्लेशियरों के लिए जाना जाता है। उत्तराखंड भारत के कुछ सबसे लोकप्रिय तीर्थ स्थलों का घर भी है। इस लेख में, हम उत्तराखंड के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक महत्व का पता लगाएंगे, जिसे देव भूमि भी कहा जाता है।

उत्तराखंड का इतिहास प्रागैतिहासिक काल का है। इस क्षेत्र पर विभिन्न राजवंशों का शासन था, जिसमें कत्यूरी वंश, गोरखा वंश और ब्रिटिश राज शामिल थे। यह राज्य ब्रिटिश राज के दौरान संयुक्त प्रांत का हिस्सा था, और स्वतंत्रता के बाद, इसे उत्तर प्रदेश में मिला दिया गया था। हालाँकि, 2000 में, उत्तराखंड राज्य को उत्तर प्रदेश से अलग करके भारत का 27वां राज्य बनाया गया था। जो आज देश के समृद्ध और सम्पन्न हिमालयी राज्यों की कतार में आगे खड़ा होने को तैयार हो रहा है। गढ़वाल और कुमायूं की विकास यात्रा में आज यहाँ प्रगति की रफ़्तार आपको शानदार अनुभव कराती है।

उत्तराखंड की संस्कृति समृद्ध और विविध है। राज्य कई जातीय समूहों का घर है, प्रत्येक अपनी अनूठी संस्कृति और परंपराओं के साथ। उत्तराखंड के लोग अपने गर्मजोश आतिथ्य, सरल जीवन शैली और समुदाय की मजबूत भावना के लिए जाने जाते हैं। उत्तराखंड की पारंपरिक पोशाक में पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और टोपी और महिलाओं के लिए साड़ी, लहंगा चोली और शॉल शामिल हैं।उत्तराखंड का लोक संगीत और नृत्य इसकी संस्कृति का अभिन्न अंग है। उत्तराखंड के कुछ लोकप्रिय लोक नृत्यों में लंगवीर नृत्य, बरदा नाटी, छोलिया और थाली-जड्डा शामिल हैं। राज्य अपने हस्तशिल्प के लिए भी जाना जाता है, जिसमें लकड़ी की नक्काशी, ऊनी शॉल और तांबे के बर्तन शामिल हैं। उत्तराखंड को इसके धार्मिक महत्व के कारण देवभूमि या देवताओं की भूमि के रूप में जाना जाता है। राज्य कई प्राचीन मंदिरों, तीर्थ स्थलों और आश्रमों का स्थल है। उत्तराखंड के लोकप्रिय तीर्थ स्थलों में अनगिनत स्थल शामिल हैं जिनका रामायण और महाभारत काल से सीधा सम्बन्ध बताया जाता है वहीँ धार्मिक मान्यताओं से जुड़े मंदिरों और देव स्थलों की भी कदम कदम पर मौजूदगी देवभूमि दिव्यता का एहसास कराती है।

सुंदर नौकरानी से कॉलोनी को खतरा ? पढ़िए अजीब सकुर्लर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जून , घर के काम के लिए हम अपने घर के हेल्पर्स पर पूरी तरह डिपेंड रहते हैं। अगर वो एक दिन ना आए तो हमारे हाथ-पैर फूलते लगते हैं। वहीं अब एक रेजिंडेंसियल सोसाइटी ने उनके यहां की बिल्डिंगों के फ्लैस्ट्स में काम करने वाले घरेलू महिला नौकरानियों और अन्य हेल्पर्स के लिए अजीब सकुर्लर जारी किया है। जिसको लेकर अब मीडिया पर लोग जमकर गुस्सा निकालते हुए कमेंट कर रहे हैं।

सुंदर सर्वेंट से मैडम को क्यों है परेशानी ?

ये मामला बेंगलुरु का है जहाँ एक सोसायटी के रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने घरों में काम करने वाले नौकरों से कहा है कि वो अपने काम के बीच में के समय में सोसाइटी के पार्क, एम्फीथिएटर समेत अन्य एरिया का उपयोग करते हैं वो ना करें। सर्कुलर में कहा गया है कि नौकरानियों को सोसाइटी के इन जगहों के बजाय वेटिंग एरिया का ही उपयोग करना चाहिए। नौकरानियों से घिरे होने पर मर्द लोग असहज महसूस करते हैं रेजिडेंट्स सोसाइटी ने अपने सर्कुलर में ये भी कहा है कि अपार्टमेंट में रहने वाले ज्यादातर पुरुष और युवक हर जगह नौकरानियों से घिरे होने पर असहज महसूस करते हैं।

नौकरानियां सोफे पर बैठती हैं इसलिए...

इसके साथ ही इस सर्कुलर में ये तक लिखा गया है कि नौकरानियां, रसोइयां, बढ़ई, प्लंबर बिल्डिंग के रिसेप्शन पर सोफे पर बैठते हैं। जिस कारण से अब यहां अधिकांश लोगों ने सोफे पर बैठना बंद कर दिया है। सोसाइटी के अजीब नियम पर लोग हुए आगबबूला सोशल मीडिया पर ये सर्कुलर वायरल हो रहा है और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आर-डब्ल्यूए) के नियमों की खूब आलोचना हो रही है और लोग इस पर नाराजगी जता रहे हैं। नौकरानी जब आपके घर में घूमती है...

bizarre rules for maids एक पाठक ने लिखा इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता, उसने पूछा लोग शिकायत क्यों कर रहे हैं? वहीं एक दूसरे पाठक ने लिखा लोगों के लिए यह समझना इतना कठिन क्यों है कि वे केवल इंसान हैं। वहीं एक ने लिखा नौकरानी आपके घर में घूमती है, आपके लिए खाना बनाती है, आपके लिए सफाई करती है, ठीक है, लेकिन पार्क में उन्हें अपने आसपास देखना क्यों परेशानी भरा है? क्या उनसे आपको कोई निजी खतरा नज़र आता है

अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन ने मुकीत अब्बासी को सम्मानित कर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इस्लामिक कल्चर सैंटर में अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एसोसिएशन के सदस्यों ने मिलकर अब्बासी समाज से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की, इस दौरान बिरादरी के जिम्मेदार लोगों द्वारा मुकीत अब्बासी को उत्तर प्रदेश अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, साथ ही उन्हें म्यूमेंटो देकर सम्मानित किया गया इसके साथ ही बिरादरी के जिम्मेदार लोगों ने उनका फूल मालाएं पहनाकर स्वागत भी किया। इस मौके पर हाजी शेख अब्बासी ने बताया कि मुकीत अब्बासी एक नेक दिल इंसान होने के साथ-साथ एक समाज सुधारक भी है इसलिए सभी ने सहमति से निर्णय लिया है कि उन्हें अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया जाए ताकि वह बिरादरी के सभी लोगों के साथ एकजुट होकर संगठन को मजबूत करेंगे और संगठन के लिए बढ़ चढ़कर कार्य करेंगे।

दून में 26 जून से होगी युवरानी महेंद्र कुमारी 18 वीं राष्ट्रीय एथलेटिक चैंपियनशिप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून : राजस्थान राजघराने की युवरानी महेन्द्रकुमारी (पूर्व सांसद) की स्मृति में पिछले 18 वर्षों से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय एथलेटिक चैंपियनशिप इस वर्ष उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आगामी 26 व 27 जून को आयोजित की जा रही है। आयोजन समिति की अध्यक्षा श्रीमति जीत कौर ने बताया कि उक्त आयोजन के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता व खेल प्रेमी सूर्यकांत धस्माना को संयोजक व वैटरन खिलाड़ी उमा कोठारी को सचिव की जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह 26 जून को करेंगे।

- देश भर से 800 वैटरन खिलाड़ी करेंगे प्रतिभाग
- पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह करेंगे उद्घाटन

मणिपुर का 14 सदस्यीय दल पहुंचा देहरादून, एथेलेटिक चैंपियनशिप में 80 साल की कुंजा देवी शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जून , उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में दो दिवसीय युवरानी महेन्द्रकुमारी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने देश के सभी राज्यों से खिलाड़ी आने शुरू हो गए हैं। मणिपुर जो इस समय हिंसा की भयंकर

- 80 वर्षीय कुंजा देवी सबसे बड़ी उम्र की खिलाड़ी तीन गोल्ड मैडल विजेता हैं

चपेट में है वहां से 14 वैटरन खिलाड़ियों का जत्था देहरादून पहुंच गया है जिसमें सबसे ज्यादा उम्र 80 वर्ष की ख़िलाड़ी कुंजा देवी भी शामिल है। परेड ग्राउंड में आयोजन समिति के संयोजक वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने दल का स्वागत किया व सबने मणिपुर में शांति के लिए प्रार्थना की।

उत्तराखंड के युवा ध्यान दें, पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती पैटर्न में बड़ा बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जून : यूकेएसएसएससी उत्तराखंड पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती 2023 में एक बड़ा बदलाव आया है। परीक्षा के पैटर्न को पूरी तरह बदल दिया गया है। जहां पहले शारीरिक टेस्ट के बाद में लिखित परीक्षा ली जाती थी। इस बार पैटर्न पूरी तरह उलट गया है। अब भर्ती परीक्षा के लिए लिखित परीक्षा होगी और इसके बाद ही चुने गए युवाओं की शारीरिक परीक्षा ली जाएगी। इसके लिए प्रस्ताव भी तैयार किया जा चुका है और जल्दी ही कैबिनेट में इसको भेजा जाएगा। पुलिस मुख्यालय जल्द 300 पदों पर भर्ती करने जा रहा है। पुलिस विभाग में सिपाही दरोगा भर्ती के लिए एक से डेढ़ लाख तक आवेदन आते हैं। ऐसे में सभी के शारीरिक परीक्षा आयोजित करवाना चुनौतीपूर्ण रहता है और इसके बाद में चयनित अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा ली जाती है। इसमें खाली पदों से करीब 3 गुना ज्यादा अभ्यर्थी चुन लिए जाते हैं। ऐसे में अब पुलिस विभाग सब इंस्पेक्टर की भर्ती की प्रक्रिया को बदल दिया है किसी भी विषय में ग्रेजुएट लोग आवेदन कर सकेंगे इसकी आयु सीमा 21 से 28 वर्ष तक रखी गई है और राज्य सरकार के नियमों के मुताबिक

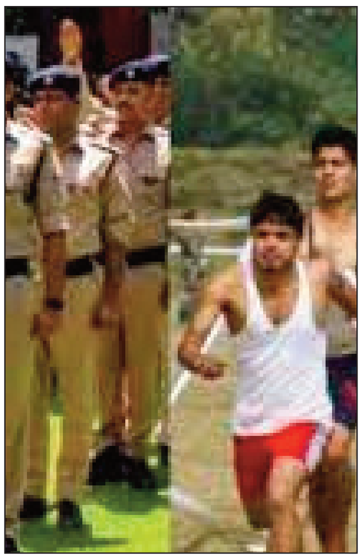

अधिकतम आयु में सीमा छूट दी जाएगी। वहीं आईजी कार्मिक विम्मी सचदेवा का कहना है कि इस बार भर्ती के पैटर्न में बदलाव के लिए नियमावली में संशोधन किया गया है और इसका प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें पहले लिखित परीक्षा होगी। इसमें चयनित अभ्यर्थियों की ही फिजिकल परीक्षा होगी और उसके बाद अंतिम मेरिट लिस्ट बनाई जाएगी।

मीडिया के साथ बेहतर तालमेल बनाएं अधिकारी : डीजी वंशीधर तिवारी के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 26 जून, सूचना निदेशालय में सूचना विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर सूचना महानिदेशक, बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में अपर निदेशक, सूचना आशिष कुमार त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक, के.एस.चौहान, डॉ. नितिन उपाध्याय, उप निदेशक मनोज श्रीवास्तव, रवि बिजारनियां, सहायक निदेशक अर्चना सहित सभी जनपदों के सूचना अधिकारी उपस्थित थे। जहाँ कई मुद्दों पर वार्ता और सुझाव का आदान प्रदान किया गया जिसका मकसद सरकार और मीडिया के बीच सामंजस्य बनाना रहा है।

नई तकनीक के साथ खुद को अपडेट करें

बैठक में महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि सरकार की योजनाओं और नीतियों को जनमानस तक पहुंचाने के लिए सूचना विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमें सरकार एवं जनता के मध्य सेतु का कार्य करना है, जिसमें मीडिया का सबसे अधिक महत्व है। सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग को अपने नाम के अनुरूप सरकार की योजनाओं की सूचना तेज गति से आदान प्रदान करने तथा सरकार और मीडिया का समन्वय बनाते हुए लोक सम्पर्क का कार्य करना होगा। सूचना महानिदेशक ने कहा कि सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाये। सोशल मीडिया के माध्यम से भी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को जनमानस तक पहुंचाया जाये।

संक्षिप्त खबरें

वन उत्पादों की तस्करी रोकने के लिए लगाएं जाएं बैरियर

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग अंतर्गत बाबर रेंज के दारागाड-कथियान मोटर मार्ग पर वन चेक पोस्ट बैरियर लगाने की मांग स्थानीय बाशिंदों ने की है। लोगों का कहना है कि बैरियर नहीं होने के कारण इस मार्ग से बड़ी मात्रा में वन उत्पादों की तस्करी हो रही है। बाबर रेंज के दारागाड बीट, लखौ, डांगूठा, मुंडाली, कथियान बीट में 90 प्रतिशत देवदार का जंगल है। स्थानीय ग्रामीण अर्जुन सिंह, मेजर सिंह, केदार सिंह, बलवीर, यशपाल चौहान, बालकराम, भागमल, मातवर सिंह का कहना है कि जब से कटर मशीन का प्रचलन शुरु हुआ तब से नाप भूमि, खत वन की आड़ में आरक्षित वनों से अवैध पातन की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे जंगलों को नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने बताया कथियान से दारागाड तक 38 किलोमीटर सडक़ पूरे आरक्षित वन क्षेत्र से होकर गुजर रही है। बाबर रेंज में एक भी चैक पोस्ट बैरियर नहीं होने से यह मार्ग तस्करों के लिए मुफीद है। यहां से अवैध तौर पर वन उत्पादों को लेकर अणू-अलसी मार्ग होते हुए जेपीआरआर राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर चले जाते हैं। जहां अवैध वन उत्पादों को हिमाचल प्रदेश में बेच देते हैं। ग्रामीणों ने वन उत्पादों की तस्करी को रोकने के लिए बैरियर लगाने की मांग की है। उधर, उप प्रभागीय वनाधिकारी मुकुल कुमार ने बताया कि चकराता वन प्रभाग में नए बैरियर चैक पोस्ट लगाने के लिए निरीक्षण किया जा रहा है। जहां जरूरत होगी वहां चेकपोस्ट स्थापित की जाएगी।

चकराता में रविवार की दोपहर बाद सैर को निकले पर्यटक

विकासनगर। बारिश के चलते रविवार दोपहर तक पर्यटक कमरों में कैद रहे। दोपहर बाद बारिश रुकने पर पर्यटक होटलों से बाहर निकले और पर्यटन स्थलों पर घूमते नजर आए। पर्यटकों की आमद से छावनी बाजार भी गुलजार रहा। शुक्रवार शाम से ही बड़ी संख्या में पर्यटक चकराता पहुंच रहे हैं। बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने से क्षेत्र के होटल, रिजॉर्ट व होम स्टे पैक हो रखे हैं। शनिवार शाम भी बड़ी संख्या में पर्यटक चकराता पहुंचे, लेकिन होटलों में कमरे न मिलने पर कई पर्यटकों को वापस भी लौटना पड़ा। रविवार सुबह से हो रही बारिश के कारण अधिकांश पर्यटक अपने होटल के कमरों में ही कैद रहे दोपहर बाद बारिश रुकने पर पर्यटकों ने सनसेट, सनराइज प्वाइंट, टाईगर फॉल, कोटी कनासर आदि जगहों पर जाकर हरे भरे सुंदर पहाड़ों के नजारों का लुत्फ उठाया। उन्होंने पहाड़ो के बीच तैर रहे बादलों के सुंदर नजारों को अपने मोबाइल और कैमरों में कैद किया। बारिश के बाद तापमान के 19 डिग्री पर पहुंच जाने से पर्यटकों ने चकराता के ठंडे मौसम का आनंद उठाया। पर्यटकों ने बाजार में लोकल उत्पादों और फलों की भी खूब खरीदारी की। वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने से लोगो को पार्किंग के लिए भी जगह नहीं मिल पाई, जिससे बार बार जाम लगता रहा।

संपादकीय

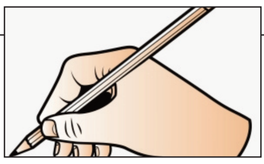

एकता की 'अध्यादेशी' शुरुआत

विपक्षी एकता की पटना बैठक के कुछ संकेत स्पष्ट हैं। पहली बार कांग्रेस किसी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा होगी। कोई समानांतर मोर्चा नहीं होगा। पटना बैठक में बीजू जनता दल, भारत राष्ट्र समिति, वाईएसआर कांग्रेस, तेलुगूदेशम पार्टी, बसपा, जनता दल-एस, इंनेलो, अकाली दल, मुस्लिम लीग, केरला कांग्रेस, आरएलपी, आरएसपी, अकाली दल-मान आदि दलों के नेता नहीं आए और ज्यादातर को आमंत्रित भी नहीं किया गया था। इन दलों के 68 सांसद मौजूदा संसद में हैं। ये दल न तो कांग्रेस-समर्थक हैं और न ही भाजपा-विरोधी हैं। इन दलों में ऐसे समीकरण भी नहीं हैं कि वे तीसरा मोर्चा बना सकें। अलबत्ता कुछ दल भाजपा के साथ एनडीए का हिस्सा बन सकते हैं या कोई और राजनीतिक समीकरण बना सकते हैं। विपक्षी एकता के नाम पर 17 दलों का ही बैनर है, जो पटना में एकजुट हुए। वे एक साथ मिले, करीब 3 घंटे विमर्श किया, विरोधाभास भी उभरे, एक साथ चलने का निष्कर्ष सामने आया, एक साथ गुलाब जामुन खाए, न्यूनतम साझा कार्यक्रम के कुछ बिंदुओं पर चर्चा की और साझा प्रेस ब्रीफिंग में, केजरीवाल और स्टालिन को छोड़ कर, शेष सभी नेताओं ने संकल्प-सा दर्शाया कि वे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे, ताकि 2024 में देश में सत्ता-परिवर्तन किया जा सके। बहरहाल इतने से ही किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि विपक्षी एकता निश्चित है और वे पूरी तरह लामबंद होकर भाजपा को साझा चुनौती दे सकेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अद्धराज्य दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल का एजेंडा दिल्ली सरकार विरोधी केंद्र के अध्यादेश पर ही अटका रहा। केजरीवाल ने गुहार की कि कांग्रेस एक कप चाय पीने का तो वक्त दे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जानना चाहा कि आप मिलने को इतने बेताब क्यों हैं? क्या कोई शरारत करेंगे? अध्यादेश के मुद्दे पर केजरीवाल और राहुल गांधी के बीच बहस-सी छिड़ गई, तो शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने शांत कराने की कोशिश की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सुझाव दिया कि इस मुद्दे को संयुक्त बयान में शामिल कर लिया जाए और दोनों नेता लंच के दौरान अकेले में बात कर सकते हैं, लेकिन राहुल सहमत नहीं हुए। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने केजरीवाल को अनुच्छेद 370 की याद दिलाई। संसद में इस विशेष प्रावधान को जब रद्द किया गया था, तब केजरीवाल ने मोदी सरकार के उस फैसले का समर्थन किया था। महबूबा मुफ्ती ने भी यही सवाल किया। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस के राजनीतिक रवैये और धरना देने पर आपत्ति जताई।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मो.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मो.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

नशा मुक्त उत्तराखंड बनाने की हमने ली है शपथ : अशोक कुमार, डीजीपी

■ जागरूकता, सतर्कता और संवेदनशीलता पर उत्तराखड पुलिस का जोर

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून, 26 जून, नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान" के अंतर्गत आम जन को ड्रग्स के प्रति संवेदनशील करने और ड्रग्स के विरूद्ध जन जागरूक करने हेतु ANTF (Anti Narcotics Task Force) द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न विभागों जैसे शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, चिकित्सा विभाम व औषधि विभाग के अधिकारियों के अलावा नशा मुक्ति केन्द्र के संचालकों, मनोवैज्ञानिकों द्वारा ड्रग्स के विरूद्ध कार्यवाही को और अधिक प्रभावी करने के सम्बन्ध में विस्तार-पूर्वक विचार-विमर्श किया गया।सेमिनार में ड्रग्स जागरूकता पखवाड़ा के अन्तर्गत राज्य के सभी जनपदों में कला/पोस्टर/निबन्ध प्रतियोगिता के माध्यम से ड्रग्स जागरूकता में प्रथम आने वालों बच्चों को पुलिस महानिदेशक द्वारा पुरूस्कृत करने के साथ ही जनपद स्तर पर ड्रग्स के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने वाले पुलिस अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्याशाला को सम्बोधित करते हुए अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड ने कहा कि मुख्यमंत्री का ड्रीम है कि देवभूमि को 2025 तक ड्रग्स फ्री बनाना है। ये चैलेंज बड़ा है क्योंकि बड़े-बड़े इण्टरनेशनल ड्रग्स माफिया है जो बहुत बड़ी संख्या में है। जो देश को खोखला कर रहें है ताकि हमारे देश की आंतरिक सुरक्षा को कमजोर कर सके। हमें बच्चों को ड्रग्स सेवन करने से जुड़ी समस्याओं जैसे Frustration, De-

pression आदि से बाहर निकालना है।युवा अपनी उर्जा को सकारात्मक क्रिया-कलापों खेल, पढाई, कल्चरल एक्टीविटी आदि में लगाएं और ड्रग्स से दूर रहें। इसके लिए सप्लाई साइड पर ध्यान देना होगा। counselling को भी जरूरी बताया और सेंट्रल गवर्नमेंट के हेल्प लाईन नम्बर-14446 को भी मददगार बताया। उन्होनें बताया कि ड्रग्स के खिलाफ हम सभी को एकजूट होना पड़ेगा हम ड्रग्स सप्लाई को जीरों टॉलरेंस पर लाना चाहते है। डिमांड को जीरों करने में सोसायटी और यूनिवर्सिटीज का रोल है लेकिन सप्लाई रोकने में स्वयंसेवी लोगों और पुलिस का मुख्य रोल है। पुलिस और सभी stake holders को एक होना पड़ेगा तभी सफलता प्राप्त होगी। हमने पिछले 3-4 सालों में एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा अभियान चलाया है इन लोगों पर गैंगस्टर एक्ट लागाना शुरू किया है। उनकी प्रॉपर्टीज जब्त किया है।

इस अभियान को ओर आगे बढ़ाना पडेंगा।इस दौरान अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने सभी उपस्थित लोगों को नशे के विरोध में शपथ दिलायी गयी। इसके साथ ही सभी लोगों ने नशे के विरूद्ध हस्ताक्षर भी किये।सेमिनार में अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था- वी मुरूगेशन, पुलिस उपमहानि-रीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था- पी रेणुका देवी, पुलिस उपमहानिरीक्षक, प्रशिक्षण, बरिन्दरजीत सिंह, पुलिस उपम-हानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून- दलीप सिंह कुंवर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ- आयुष अग्रवाल सहित जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारी व एन.सी.सी. केडेट उपस्थित रहे।

आजमगढ़ का लाल बना अंडमान का डीजीपी IPS देवेश श्रीवास्तव का पढ़िए शानदार सफर

दिल्ली पुलिस की शानदार पृष्ठभूमि वाले देवेश ने दिल्ली में एक लोकप्रिय डीसीपी के रूप में नशे के सौदागरों की क़मर तोड़ी है अब समुंद्र में भी लुटेरे उनसे बच नहीं पाएंगे

समूह सम्पादक मो0 सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट - न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पोर्ट ब्लेयर (अंडमान निकोबार), 26 जून , आजमगढ़ नगर कोतवाली क्षेत्र के कोलघाट निवासी देवेश चंद्र श्रीवास्तव को अंडमान निकोबार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद की जिम्मेदारी मिली है। उनको यह पद मिलने के बाद जनपद के लोगों में हर्ष व्याप्त है। कोलघाट के लोगों ने कहा कि हम लोगों की खुशियां बढ़ गई हैं कि उनके गांव का गौरव और इस मिट्टी का लाल आज इतने बड़े पद अपनी बेहतरीन ज़िम्मेदारी निभा रहा है।आपको बता दें कि 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी देवेश चंद्र श्रीवास्तव इसके पहले मिजोरम के डीजीपी बनाए गए थे और पूर्व में उन्होंने पूर्व दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में विशेष आयुक्त के पद पर बेहतरीन ज़िम्मेदारी निभाई थी। इसके अतिरिक्त

- मिज़ोरम के डीजीपी भी रहे है देवेश श्रीवास्तव
- उत्तराखंड के वरिष्ठ पत्रकार और न्यूज़ वायरस मीडिया समूह के ग्रुप एडिटर मोहम्मद सलीम सैफ़ी ने सीनियर आईपीएस और अंडमान निकोबार के नए डीजीपी को बधाई दी है।

आईपीएस देवेश श्रीवास्तव ने दिल्ली पुलिस में संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी), संयुक्त आयुक्त लाइसेंसिंग सहित इंटेलिजेंस ब्यूरो एवं ओएनजीसी (प्रति नियुक्ति पर) में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दी हैं। अब एक बार फिर उनको अंडमान का डीजीपी बनाए जाने से जनपद के लोगों और उनके जानने वालों में खुशी देखी जा रही है।